

जाए रघुरैया मंगल वधैया श्री दशरथ आज वाधाई है  
सुर सुख दैया आए चारों मैया हर्षे सकल समाज—आज ॥  
घर घर मांही सब हुलसाई भए पूरण सब काम है  
साकेत सरकार लियो आज अवतार है धन धन दशरथ धाम है  
वर्षे है सुख साज आज वाधाई है ॥  
गौर अरु श्याम बेटा चार अभ्राम भए रुप रसीला अपार है  
देखे आठों याम यह छबि सुखधाम छाए हर्ष की बहार है ॥  
कहें सब जै जै गाज आज वाधाई है ॥  
करि गुण गान जसु गाइगो जहान सब ईश कुमार उदार है  
शिव धारे ध्यान जांको वही भगवान आयो सारे विश्व आधार है  
सब भूपनि सिरताज आज वाधाई है ॥  
रवि कुलमंडन सुत अजनन्दन कवि कुल कीरित गाए है  
पुरुष पुरातन आदि सनातन चार रुप धरि आए है  
गरीबि श्री खण्डि उर ब्राज आज वाधाई है ॥